পাঠ পরিকল্পনা: নিম্ন প্রাথমিক ভাষা ও সাক্ষরতা

বাংলা (হিন্দি-র সাথে)

ধারাবিবরণী:

এখানে একজন প্রাথমিক শিক্ষক খুব ক্ষুদ্রে পড়ুয়াদের জন্য একটি গল্প বলার সেশনের পরিকল্পনা করছেন। তার লক্ষ্য হল পাঠটিকে পারস্পরিক ভাববিনিময়মূলক করা যাতে তার পড়ুয়ারা তাদের ধারণাগুলি প্রকাশ করতে পারে।

শিক্ষকের সাক্ষাত্কার:

আমার পড়ুয়ারা তাদের প্রথম বর্ষে রয়েছে এবং আমি তাদের একটি গল্প বলব ঠিক করেছি এবং সেই গল্প থেকে কিছু প্রশ্ন করার পরিকল্পনা করছি।

আমার কাছে একটি চার্ট রয়েছে এবং এই চার্টে আমি গল্পের প্রধান দৃশ্যগুলি আঁকব। এমনকি আরো ভালো দেখতে দ্বিতীয় একটি চার্ট আমার কাছে আছে সেটি আমি ব্ল্যাকবোর্ডে টাঙিয়ে দেব যাতে দূর থেকেও পড়ুয়ারা স্পষ্ট করে সেটি দেখতে পায়।

এইভাবে তারা গল্পটি বুঝতে পারবে এবং এটা আমার প্রশ্নগুলির উত্তর দিতে তাদের সাহায্য করবে।

আমার পরিকল্পনা হল আমার প্রশ্নগুলিকে আগে থেকে আমার রেজিস্টারে লিখে রাখা, যেটা আমাকে পাঠ চলাকালীন প্রশ্নগুলির ক্রম বজায় রাখতে সহায়তা করবে।

ধারাবিবরণী:

পাঠটির পরিকল্পনা করার সময়, শিক্ষক গল্পটি বলার অভ্যাস করেন, যা তার দক্ষতা ধারালো করে ফলে তা পড়ুয়াদের আরো নিবিষ্ট হতে সাহায্য করে।

শিক্ষকের সাক্ষাত্কার:

পরিকল্পনাহীন পাঠে সহজেই কিছু অংশ বাদ পড়ে যায় সেজন্য একটি পরিকল্পনা সাথে থাকলে, তা আমাকে ক্লাসে যতটা পড়ানো যায় তার চেয়ে বেশী পড়াতে সাহায্য করে।

শিক্ষক: अच्छा बेटा, आज हम लोग, तुम लोगों को एक कहानी सुनाएंगे।

ধারাবিবরণী:

শিক্ষক তার পড়ুয়াদের একটা তুষ্কার্ত কাকের জলের খোঁজ করার গল্প বলেন।

শিক্ষক: गर्मी के मौसम में, एक कौवा बहुत थका हारा, बेचारा, इधर-उधर कांव-कांव कांव-कांव कर रहा था; क्योंकि वह जो है प्यासा था।

ধারাবিবরণী:

গল্পটা বলা শেষ করার পর, শিক্ষক তার পড়ুয়াদের কল্পনা করতে বলেন যে, গল্পটা অন্য কি রকম ভাবে শেষ হতে পারে। এটি তাদেরকে কল্পনাশক্তির সাথে ভাষা ব্যবহার করতে উৎসাহিত করে।

शिक्षक: तो उसको पानी मिल गया। आजकल का अगर कौवा होता, या हम लोगों में से – जैसे कोई एक कौवा होता तो क्या करता? कहाँ पानी पीने जाता? कहाँ जाता बेटा?

शिक्षार्थी १: नल पर।

शिक्षक: हाँ, है न? वंदना ने बताया – कहाँ जाता?

शिक्षार्थीगण: नल पर।

शिक्षक: नल पर पानी पीने जाता। अच्छा, नल पर पानी पीते हुए – कितने लोगों ने – कौवे को देखा है?

शिक्षार्थीगण: हमने देखा है सर।

शिक्षक: बहुत अच्छे, वैरी गुड। बहुत अच्छे, शाबाश, ठीक है।

शिक्षार्थी १: टोटी नहीं खोल पाएगा तो कैसे पानी पिएगा?

धाराविवरणी:

লক্ষ্য করতে হবে শিক্ষকের প্রশ্ন কিভাবে পড়ুয়াদের কথাকে চালনা করছে।

शिक्षक: बोलो बेटा।

शिक्षार्थी २: अगर कौवा पानी नहीं पिएगा, या न... कोई चीज़ खायेगा, तो मर जाएगा।

शिक्षक: हाँ, अगर कोई चीज़ खायेगा नहीं, पानी भी नहीं मिलेगा तो?

शिक्षार्थी २: मर जाएगा।

शिक्षक: मर जाएगा। ठीक। आरिफ बोलेंगे।

शिक्षार्थी ७: अगर मछली को पानी न मिले, तो मछली सूख के मर जाएगी।

शिक्षक: हाँ, मछली सूख के?

शिक्षार्थी ७: मर जाएगी।

शिक्षक: मर जाएगी, अगर पानी उसको नहीं मिलेगा, तो वह?

शिक्षार्थी ७: मर जाएगी।

शिक्षार्थी ८: अगर कौवा उड़ के नहीं पात है, तो उ... चल के चल के... उस को बिल्ली नहीं खा लेगी? उड़ नहीं पाते हैं...

शिक्षक: अच्छा, अगर उड़ नहीं पायेगा तो उसको?

शिक्षार्थी 8: उसको बिल्ली...

शिक्षक: बिल्ली खा लेगी।

शिक्षार्थी 8: हाँ।

शिक्षक: हमने बताया था कि आजकल अगर कौवा प्यासा होगा तो वह कहाँ जायेगा पानी पीने? कहाँ जायेगा?

शिक्षार्थीगण: नल पर। नल पर।

शिक्षक: कहाँ जाएगा?

शिक्षार्थीगण: नल पर।

शिक्षक: नल पर जायेगा। और उसकी टोंटी पर, टोंटी पर उसके – बैठेगा जाके। और फिर क्या करेगा?

शिक्षार्थीगण: पानी पिएगा।

धाराविवरणी:

लक्ष्य करून ये, शिक्षक किभावे पडुयादेर कथा शुनछेन एवं तार उपर भित्ति करे तादेरके प्रश्न करछेन एवं तादेर चिन्ताभावनार विकाश करछेन।

शिक्षकेर साक्षात्कार:

आमि चेयेछि, आमर पडुयारा आमर साथे कथा बलुक एवं योग दिक्। आमर परिकल्पनार माध्यमे आमि एटि अर्जन करते पेरेछि एवं एक्कि परिकल्पना छाड़ा पाठटि एत भाल हत ना एवं आमर पडुयारा खुब सहजेई विषयटिर आकर्षण हरिये फेलते पारत। आमि आमर पड़ानोर समय एई धारणागुलिके आरो उन्नत करते पारि एवं एमनकि परिकल्पना एवं सक्रिय कार्यधारार माध्यमे पडुयादेर आरो बेशि नियोजित करते पारि।

धाराविवरणी:

परिकल्पनाय थाकवे आपनार आगे थेके भेवे राखा प्रश्न येगुलि आपनि जिज्ञासा करबेन। तवे एई शिक्षकेर मत आपनाकेओ परिकल्पनाटि नमनीय राखते हवे एवं पडुयादेर धारणागुलिते साड़ा दिते हवे। आपनार पाठगुलिते एटि चेष्टा करे देखुन।